दैनिक भास्कर
रविवार, 10 जनवरी 2021 नोएडा

सपनों की उड़ान व रूमानियत

गीतांजलि सक्सेना

जिंदगी/लाइव

कल रात बिताए, सब लम्हों का मनमोहक दृश्य बहुत ही अद्भुत था ... ऐसे नजारा और अनुभव। अविश्वसनीय इसलिए भी है, क्योंकि इस कड़कड़ाती ठंड में जहां ना सिर्फ पहाड़ों में भारी बर्फबारी हो रही है, वहीं मैदानी इलाके भी कड़ाके की ठंड, बारिश और तेज सर्द हवाओं का सामना कर रहे हैं। यूं तो हर मौसम की अपनी एक प्रकृति होती है, जिसकी हमारी जिन्दगी में भावुक अहमियत भी होती है। तभी तो हम उसकी खूबसूरती से साक्षात्कार कर पाते हैं। फिर चाहे हर ऋतु में अलग-अलग तरह से मौसम की सम्बन्धित दिक्कतों से आमना सामना होता रहता हो।

बावजूद इसके शायद ही कोई होगा, जो यह नहीं चाहेगा कि सर्दी के मौसम में भी प्रकृति के नजारे का साकार दीदार करें। ऐसी ही चाहत रखते हुए ... कल्पना सी उस रात का अनुभव किसी पिक्चर से कम नहीं था। उसमें उन सभी इच्छाओं को परिपूर्ण भी किया गया, जो किसी भी बॉलीवुड पिक्चर में पहाड़ों पर फिल्माये गए दृश्यों सा अनुभव समान था। इस कड़कड़ाती ठंड में, कोहराम करती सर्दहवाओं में, बर्फीले चादरों से ढँके पेड़ और पहाड़, बीच बर्फ के मखमली गोलों से साथ खेलते सब। चाँद की चांदनी तो ऐसी कि मानो प्राकृतिक सुंदरता आँगन में पूर्णिमा सी प्रतीत हो रही हो। प्रकृति के ऐसे वातावरण में बर्फ के घरौंदे बनाने का सिलसिला भी बरकरार रहा। पहाड़ों पर सजा यह सुंदर और सुहावना दृश्य आंखों के समकक्ष प्रकृति की धरोहर को कैद करने का अवसर ....कल रात के सपने में हो गया। स्वप्न में प्रकृति की लीला का भरपूर आनंद वास्तव में बेहद दिलचस्प था। ऐसे अनुभव हमें बड़ी आसानी से हासिल हुआ करते हैं। हींग लगे न फिटकरी फिर भी रंग चोखा।

अगर आपकी नए साल में नए संकल्पों की कार्य सूची अभी पूरी नहीं हुई हो, तो विश्वास मानें, सपने देखने की आदत को अपने जीवन में जगह जरूर दें। कहा भी गया है कि सपने तो पूरे उन्हीं के होते हैं, जो इन्हें देखते हैं। दरअसल, सपनों की उड़ान बहुत ही ऊंची होती है। इस जरिये हम वहाँ भी पहुंच सकते हैं, जहां की पहुँच हमारे स्वभाव व प्रकृति से बिल्कुल भिन्न होती है। इसी में उसकी रूमानियत छुपी है। लोग झूठ कहते हैं कि सपने सच नहीं होते। बस जरूरत है, तो उन पर पूर्ण रूप से ध्यान करते अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना। यूँ तो हर शख्स सपने अपनी सोच और अपने दिल में रची बसी इच्छाओं के अनुसार देखता है। सपने देखना कतई बुरी बात नहीं है, लेकिन इन्हें साकार करने की दिशा में परिश्रम न करना भी सही नहीं है।

आसमान या जमीन ... है कल्पना या हकीकत

कहा तो यह भी जाता है कि सपने हमेशा बड़े देखने चाहिए, क्योंकि यह आपको ऊँचाई की बुलंदी की ओर जाने के लिए अनजाने में बाध्य करते हैं। जहां आप खुली आँखों से नहीं पहुंच सकते। ऐसे सपने अनेक चुनौतियों से भरे होते हैं। इन सपनों में इंसान को झकझोरने की अद्भुत शक्ति होती है। इस कारण साहस और ऊर्जा का संचालन होना सम्भव हो जाता है, इसलिए लिए कहा गया है कि सपने बहुत जरूरी हैं।

सपनों को हकीकत में लाना और उन्हें अपनी जिंदगी में रमने और बसने देना काफी हद तक हम सभी के हाथों में रहता है। रात गई, बात गई ... इन हालातों में तो सपनों के रोमांच यूं ही दफन हो जाएगा।

कहा तो यह भी जाता है कि सपनों की दुनिया है ... निराली। लोगों के कटाक्ष, कि अरे, यह तो सपनों की दुनिया में रहते हैं ... इसकी परवाह किए बिना अपनी जिन्दगी में सपनों को अपनी जीवनशैली में बिन्दास शामिल करें और खूब आनंद लें। इनको देखने का रिमोट भी हमारे स्वयं के ही हाथों में होता है। यही नहीं, हम सब अपनी पतंग की उड़ान को जिस ओर चाहें, ले जा सकते हैं। इसमें हम में से किसी की भी जवाबदेही नहीं है। दरअसल, ऐसे मौकों को हाथ से जाने देना कतई समझदारी नहीं है।

हमने लोगों को अक्सर बोलते सुना है कि अरे कल बहुत बुरा सपना देखा। सपने हमारे मनोःस्थिति के दर्पण भी हैं, जिन्हें हम सोते वक्त देखते हैं, बल्कि सपने वे भी तो हैं, जो हमें रात भर भय से सोने ही नहीं देते हैं। सपनों के अर्थ को समझने के लिए उन्हें अंधविश्वासों से जोड़ना बिल्कुल तर्कहीन है। सपनों को भरपूर जियें, क्योंकि यह किसी स्थिति में नुकसान नहीं पहुँचाते। बस सपनों में दिखी अपने जीवन की दशा, दिशा और कल्पना को भी असल में पूरा करना अपनी आदत बनाएं।

हर सपने को अपनी सांसों में रखें, मंजिले उन्हीं को है मिलती,
जो हौसलों से उड़ान है भरते, बस लक्ष्यों को अपनी निगाहों में रखे,
इन्हें जिंदगी में बसाये रखें, इनकी पहुंच कोई सीमा ना बाँध पाये
खुद पर करें विश्वास, साहस परखें, सफलता हासिल होगी जरूर
सपनों को ईश्वर का इशारा ही मानें ...।